हिंदी दैनिक

# न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 312 देहरादून, बुधवार, 07 जून, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

उत्तराखंड में इस दिन पहुंचेगा मानसून 3

# उत्तराखंड के 12 शहरों में बनेगी टनल पार्किंग, यहां से हो रही है शुरुआत

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

उत्तराखंड 07 जून : उत्तराखंड की छवि पर्यटन प्रदेश की है। हर साल लाखों पर्यटक यहां पहुंचते हैं, लेकिन इस दौरान उन्हें पार्किंग संबंधी परेशानी से दो-चार होना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए प्रदेश के अलग-अलग जिलों में टनल पार्किंग बनाने की योजना है। पहली टनल पार्किंग मसूरी स्थित कैंपटी फॉल में बनेगी। 12 शहरों में पहाड़ों को काटकर टनल पार्किंग बनाई जाएगी, ताकि पार्किंग संबंधी समस्या का समाधान हो सके। किस जिले में कितनी टनल पार्किंग बनेंगी, ये भी बताते हैं। पौड़ी में दो, टिहरी में छह, उत्तरकाशी में दो और नैनीताल में दो पार्किंग बनाई जानी हैं।

प्रदेश की पहली टनल पार्किंग कैंपटी फॉल में टिहरी-कैंपटी फॉल मसूरी, मसीही मसूरी रोड के सामने बनाई जाएगी। जिन पर्वतीय जिलों में पार्किंग के लिए बड़ा मैदान उपलब्ध नहीं है, वहां पहाड़ों के भीतर ही टनल से पार्किंग का काम लिया जाएगा। ये पार्किंग ऐसी बनाई जाएंगी कि एक तरफ से वाहन पार्किंग के लिए घुसेगा और दूसरी सड़क पर बाहर निकल जाएगा। पौड़ी में लक्ष्मण झूला और देवप्रयाग रेलवे स्टेशन के पास सौड़ में टनल पार्किंग बनेगी।

इसी तरह टिहरी में ओल्ड टिहरी रोड कूड़ाघर के सामने चंबा, नैनबाग धनौल्टी, छिलेड़ी गांव तेगड़ जार और थत्यूड़ बाज़ार में टनल पार्किंग बनाई जाएगी। उत्तरकाशी में गंगोत्री और गंगनानी में पार्किंग बनेगी। जबकि नैनीताल में नैनीताल भवाली रोड पर कैंट बोर्ड की जमीन और नेशनल ऑब्जर्वेटरी के पास पार्किंग बनाने की योजना है।

पहली टनल पार्किंग मसूरी में बनने जा रही है। जिसकी 120 करोड़ की डीपीआर तैयार हो चुकी है। इसी महीने अपर मुख्य सचिव और मुख्य सचिव के सामने इसका प्रस्तुतीकरण होगा। माना जा रहा है कि जल्द ही इसे स्वीकृति मिल जाएगी। इस पार्किंग में 400 वाहनों को पार्क करने की सुविधा मिलेगी। बाकी टनल पार्किंग की डीपीआर भी तैयार की जा रही है।

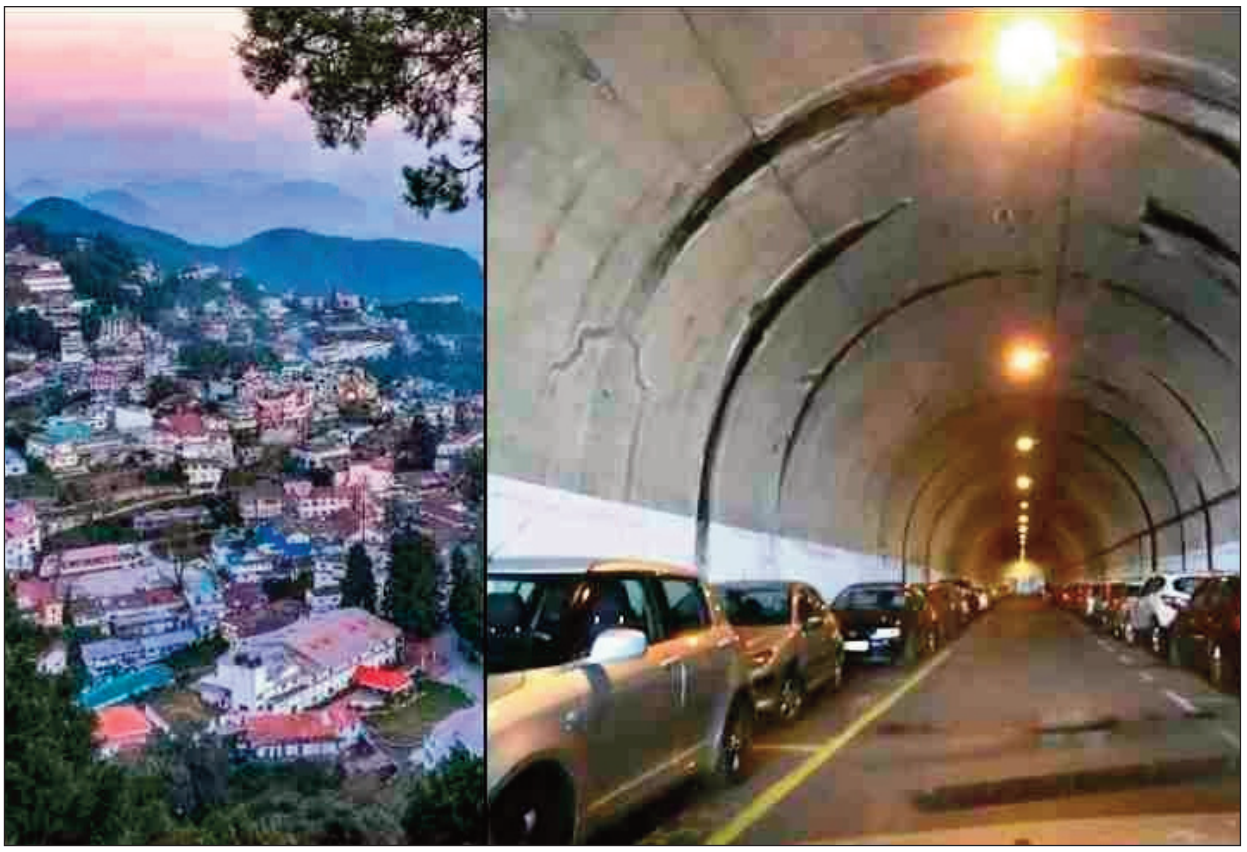

# भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट बोले, रेल दुर्घटना पर राजनीति से बाज आये कांग्रेस

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

भाजपा ने रेल मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदेश कांग्रेस के बयानों पर पलटवार करते हुए राजनीति करने का आरोप लगाया है । प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कटाक्ष किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी स्वयं स्वीकारते हैं कि उनकी सरकारों की हिम्मत अंग्रेजों के कार्यकाल की आलोचना करने की नही थी लिहाज़ा उनके मंत्रियों की नैतिकता भी अपने कार्यकाल में रेल दुर्घटना में हज़ारों मौतों के वावजूद सिर्फ सिर्फ जमीन लेकर नौकरी देने में ही नजर आयी।भट्ट ने बालासोर रेल दुर्घटना को लेकर राजनीति करने वाले कांग्रेस नेताओं को आइना दिखाते हुए कहा कि यूपीए सरकार में लालू के रेल मंत्री काल में ही 1034 दुर्घटनाओं में 1159 लोगों की मृत्यु हुई, लेकिन उनकी नैतिकता नही जागी, उल्टा जमीन के बदले रेलवे में नौकरी देने में जुटे रहे ।

इसी तरह नीतीश कुमार और ममता मुखर्जी के कार्यकाल में भी दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएं सामने आई । लिहाज़ा कांग्रेस उनके सहयोगियों को राजनीति करने और किसी का इस्तीफा मांगने से पहले अपने दौर की बड़ी रेल दुर्घटनाओं के दुखद पन्ने पलट लेने चाहिए । उन्होंने अफसोस जताया कि समय था कि बचाव व राहत कार्यों को युद्धस्तर पर अंजाम देने और पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाते हुए यथासंभव मदद पहुंचाने का था, लेकिन विपक्ष मौके का फायदा उठाने के लिए राजनैतिक आरोप

प्रत्यारोपों से उलझाने में जुटा है ।भट्ट ने कहा कि देश में पहली बार कोई प्रधानमंत्री घटनास्थल पर जायजा लेने और अस्पतालों में पीड़ितों को सांत्वना देने पहुंचा है। पीएम मोदी ने पहले दिन ही स्पष्ट कर दिया था कि जो भी दोषी होगा उसे बख्शा जाएगा, यही वजह है कि देश में पहली बार किसी रेल दुर्घटना की सीबीआई जाँच की संस्तुति की गई है ।उन्होंने इस दुर्घटना को लेकर राहुल गांधी के बयानों पर तंज कसते हुए कहा कि किसी भी देशकाल की घटनाओं और परिस्थितियों का आकलन करने के लिए पिछले कार्यकाल से तुलनात्मक चर्चा जरूरी होती है।

# हल्द्वानी : नशे में धुत लड़के ने दौड़ाई कार, महिला समेत 4 लोगों को रौंदा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

उत्तराखंड 07 जून : उत्तराखंड में लोगों का सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। हर जगह सड़क हादसे हो रहे हैं। अब हल्द्वानी में ही देख लें। यहां नशे में धुत युवक तीन टायरों पर कार दौड़ाता रहा। इस दौरान उसने एक स्कूटी सवार युवती को रौंद दिया। इतना कुछ होने पर भी उसने कार नहीं रोकी और सड़क पर कार घूमता रहा। कार चालक ने एक बुजुर्ग दंपति को भी टक्कर मार दी। हादसे में कुल चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी युवक पुलिस की हिरासत में है।

घटना मुखानी क्षेत्र की है। जहां शराब के नशे में तीन टायरों पर कार दौड़ाने और कार से स्कूटी सवार युवती समेत चार लोगों को रौंदने का मामला सामने आया है। बाद में कार एक बिजली के पोल से टकराकर रुक गई। हालांकि तब तक कार की चपेट में आने से 4 लोग घायल हो चुके थे। आरोपी देवाशीष जोशी नीलम कॉलोनी का रहने वाला है। बीते दिन वो भगवानपुर रोड पर नशे में धुत होकर कार दौड़ा रहा था। इसी दौरान कार का टायर पंक्चर हो गया, लेकिन नशे में होने की वजह से देवाशीष को इसका पता नहीं चला। वो तीन टायरों पर कार दौड़ाता रहा। तभी एक स्कूटी सवार युवती कार की चपेट में आ गई। बुजुर्ग दंपति समेत तीन अन्य लोगों को भी कार ने टक्कर मारी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल उसके खिलाफ किसी तरह की तहरीर नहीं मिली है। आरोपी का एमवी एक्ट के तहत चालान किया गया है। उसके परिजनों को थाने बुलाया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# उत्तराखंड का पंगोट है वीकेंड के लिए बेस्ट, नेचुरल ब्यूटी के साथ लें बर्ड वॉचिंग का मज़ा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 07 जून : वीकेंड को दिल्ली के किसी क्लब, बार या रेस्टोरेंट नहीं, बल्कि किसी शांत और सुकून वाली जगह जाकर बिताना चाहते हैं, तो पंगोट इसके लिए बहुत ही बेहतरीन डेस्टिनेशन है। जहां आप खुली हवा में सांस ले सकते हैं, नेचर को करीब से इंजॉय कर सकते हैं। इसके साथ ही अगर आपको बर्ड वॉचिंग और फोटोग्राफी का शौक है, तो उसे भी यहां आकर पूरा किया जा सकता है।

पंगोट वैसे तो नैनीताल से सिर्फ 13 किमी दूर है। लेकिन ज्यादातर लोगों के उत्तराखंड की सैर नैनीताल, मसूरी तक ही सीमित होती है, जिस वजह से ये जगह अभी भी पर्यटकों की नजरों से दूर है।

जिसके चलते यहां की खूबसूरती अभी भी बरकरार है। इस जगह आकर आप हरे-भरे जंगल और पेड़-पौधों पर चहलकदमी करते तरह-तरह के पक्षियों को देख सकते हैं।

यहां 580 से ज्यादा पक्षियों की प्रजातियां मौजूद हैं। यहां तक पहुंचने के रास्ते में आपको कई तरह की हिमालयी पशु-पक्षियों की प्रजातियां भी देखने को मिल सकती हैं, जैसे कि लैमरजियर, हिमालयन ग्रिफन, ब्लू-विंग्ड मिनाला, चित्तीदार और ग्रे फोर्कटेल, रूफ-बेल्ड वुडपेकर, रूफ-बेलिड नेल्टवा, तीतर, विभिन्न प्रकार के थ्रश आदि। ये जगह कई प्रकार के वनस्पतियों और जीवों के लिए बहुत ही अच्छी जगह हैं जिनमें तेंदुए, हिरण और सांभर शामिल हैं। कुमाऊं क्षेत्र में स्थित, पंगोट का नजारा दिल छू लेने वाला है।

मुक्तेश्वर - भीमताल - सत्ताल - नैनीताल, ये सारी जगहें पंगोट के बेहद नजदीक हैं, तो अगर आपके पास वक्त हो, तो आप इन जगहों की सैर का भी प्लान बना सकते हैं।

नैनीताल का मौसम हमेशा ही सुहावना होता है, तो आप पंगोट का प्लान साल में कभी भी बना सकते हैं। - पंगोट नैनीताल से 13 km की दूरी पर स्थित है जहां आप रोड ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। वैसे बस से भी यहां तक पहुंचा जा सकता है।

# यहां पर अपने ही घर में शादी कर लेता है पिता, अजीबोगरीब परंपरा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 07 जून : दुनियाभर में कई तरह की जनजाति पाई जाती हैं। इन जनजातियों को उनकी अनोखी और अजब-गजब परंपराओं, रहन-सहन और खानपान के लिए जाना जाता है जो आम इंसानों से काफी अलग होते हैं।

इनकी परम्पराएं इतनी अजीब होती हैं कि कई बार इन पर विश्वास करना भी मुश्किल होता है। इसी कड़ी में आज हम आपको बांग्लादेश में रहने वाली एक जनजाति के बारे में बताने जा रहा हैं, जिसकी अजीबो-गरीब प्रथा के बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इस जनजाति के लोग शादियों में ऐसी कुप्रथा का पालन किया जाता है, जिसके बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। यह वाकई हैरान करने वाला है। दरअसल, इस जनजाति के मर्द जिस बच्ची को बचपन से एक पिता की तरह पालते हैं, उसके जवान होते ही उसके पति बन जाते हैं। जी हां, यह सुनने में भले ही अजीब है लेकिन यह सच है।

यह जनजाति बांग्लादेश में पाई जाती है,जिसका नाम मंडी है। इस जनजाति के लोग एक अजीबोगरीब परंपरा का पालन करते हैं। यहां का मर्द जब कम उम्र में किसी विधवा महिला के साथ शादी करता है, तभी यह बात तय कर ली जाती है कि आगे चलकर शख्स उस महिला की बेटी से ही शादी करेगा। इसमें महिला की पहली शादी से हुई बेटी की बलि चढ़ाई जाती है।

छोटी सी उम्र से बच्ची जिस शख्स को अपना पिता मानती है, जवान होने पर वही उसका पति बन जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये प्रथा आज की नहीं है बल्कि सदियों से इस कुप्रथा को माना जा रहा है।

हालांकि इस कुप्रथा में पिता का सौतेला होना जरूरी है। सगा पिता कभी भी इस कुप्रथा का हिस्सा नहीं बनता है। इस कुप्रथा को तब निभाया जाता है जब कोई महिला कम उम्र में विधवा हो जाती है और वह एक बेटी की मां होती है। ऐसे में दूसरा मर्द उससे इसी शर्त पर शादी करता है कि वह पहली शादी से हुई बेटी से आगे चलकर शादी करेगा। इस कुप्रथा को लेकर इस जनजाति के लोगों की मानना यह है कि कम उम्र का पति अपनी पत्नी और बेटी दोनों की हिफाजत लंबे समय तक कर सकता है। इस परंपरा के चलते मंडी जनजाति की कई बेटियों का जीवन नर्क हो चुका है।

# भारत में यहां इंसानों की तरह जानवरों को भी मिलती है संडे की छुट्टी

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 07 जून : भारत के गांवों में आज भी सैकड़ों साल पुरानी परंपराएं जीवित हैं। इन परंपराओं का निर्वहन न सिर्फ आज के लोग बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी कर रही हैं। झारखंड के लातेहार गांव में एक बहुत ही अनोखी परंपरा निभाई जाती है। इस परंपरा के बारे में जानकर आप अपना दिल हार बैठेंगे।

हर किसी को काम के बीच में छुट्टी की दरकार होती है। इससे उसकी शारीरिक क्षमता पर अच्छा प्रभाव तो पड़ता ही है, इसके साथ ही उसकी मानसिक स्थिति भी अच्छी होती है। इसी को देखते हुए झारखंड में इंसानों की तरह पशुओं को भी 1 दिन की छुट्टी दी जाती है। गांव के लोग कहते हैं कि उनके पूर्वजों द्वारा यह परंपरा लगभग 100 साल पहले शुरू की गई थी। 100 साल पूरे होने के बाद इसका पालन आज भी गांव के लोग कर रहे हैं। यहां के लोग मानते हैं कि जिस तरह इंसानों को लगातार काम के बाद छुट्टी चाहिए होती है, उसी तरह जानवरों को भी काम से ब्रेक चाहिए होता है। इस कारण गांव के लोग संडे के दिन जानवरों से कोई काम नहीं लेते हैं। जिस तरह मनुष्यों को अपने सुख - सुविधाओं का ख्याल रहता है, वैसे ही यहां के लोग पशुओं के सुख - सुविधाओं का पूरा ख्याल रखते हैं। लातेहार में रविवार के दिन पशुओं को अवकाश दिया जाता है। इस दिन उनसे किसी भी प्रकार का काम नहीं करवाया जाता। ग्रामीणों की मानें तो पशुओं को भी आराम की जरूरत है। दरअसल, करीब 100 साल पहले खेत में काम करते समय गांव के एक बैल की मौत हो गई थी। इसके बाद ही गांव वालों ने निष्कर्ष निकाला कि मवेशियों से काम तो करवाया जाएगा, लेकिन हफ्ते में एक दिन उन्हें आराम दिया जाएगा। इसके बाद हरखा, ललगड़ी, मोंगर और पकरार गांवों में यह चलन देखने को मिलता है।

# शहीद भवानी दत्त शौर्य महोत्सव का मुख्यमंत्री धामी ने किया उद्घाटन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली। 'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले वतन पर मर मिटने वालों यही बाकी निशा होगा ' तीन दिवसीय शहीद भवानी दत्त शौर्य महोत्सव का रंगारंग आगाज हो गया है इस अवसर पर वतौर मुख्य अतिथी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद भवानी दत्त जोशी के स्मारक पर रीत चढ़ा कर नमन किया, और मेले का रीबन काट कर शुरुवात की इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि शिक्षा स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत, विशिष्ट अतिथि थराली विधायक भूपाल राम टम्टा उपस्थित रहे इस अवसर पर उन्होंने एक दर्जन से अधिक लगभग 4.5 करोड़ की परियोजनाओं का लोकांपण किया और शहीद भवानीदत्त मेले को राजकीय मेला की घोषणा की और उन्होंने थराली को उपजिला चिकित्सालय तथा देवाल और नारायणबगड़ को नगर पंचायत बनाने की भी घोषणा की। इस मौके पर वीरू जोशी ने स्वागत गीत गाकर सबका स्वागत किया।

देश की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले शहीद भवानी दत्त जोशी ने पिंडर घाटी के युवाओं में देश के लिए बलिदान का एक जज्बा भरा है आज भी उनके बलिदान की कहानी युवाओं को प्रेरणा दे रही है यूं तो स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश की संप्रभुता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए इस क्षेत्र के दर्जनों युवाओं ने अपनी शहादत दी उनमे से शहीद भवानी दत्त जोशी का नाम आज भी क्षेत्र में गर्व के साथ लिया जाता है 14 जुलाई 1952 में चेपड़ो गांव के ख्यालीराम जोशी के घर जन्मे शहीद भवानी दत्त जोशी 14 जुलाई 1970 में गढ़वाल राइफल में भर्ती हुए उसके बाद उन्होंने 1972 में भारत-पाक युद्ध में बढ़ चढक़र हिस्सा लिया और लड़ाई में वह बुरी तरह घायल हो गए थे बाद में स्वस्थ होने पर उन्होंने पुनः अपना योगदान सेना मे दिया, 1984 में जब पूरा पंजाब आतंकवाद से जूझ रहा था आतंकियों ने श्रद्धा का मुख्य केंद्र स्वर्ण मंदिर पर भी कब्जा कर लिया था तो सरकार ने ब्लू स्टार ऑपरेशन शुरू करवाया तथा पंजाब को सेना के हवाले करते हुए गढ़वाल राइफल की एक प्लाटून को आतंकियों से मंदिर को खाली कराने का जिम्मा सौंपा लंबी जद्दोजहद के बाद भी सेना मंदिर में प्रवेश नहीं कर पाई तब साहसी भवानी दत्त जोशी ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने प्राणों को हथेली में रखकर 5 व 6 जून की मध्यरात्रि को मंदिर की एक खिडक़ी को तोड़ कर उसके रास्ते मंदिर में प्रवेश किया इस दौरान आतंकवादियों की कई गोलियां उन पर लगी किंतु इसकी परवाह किए बगैर उन्होंने कई दुश्मनों को मार गिराया बाद में अन्य सैनिकों ने भी मंदिर में प्रवेश किया और आतंकियों को मारकर मंदिर को आजाद किया किंतु इस दौरान वीर जवान अपने सहयोगी सैनिकों एवं परिजनों को रोते बिलखते छोड़ शहीद हो गए बाद में सरकार ने उन्हें मरणोपरांत शीतकालीन अशोक चक्र से सम्मानित किया वे उत्तराखंड के पहले अशोक चक्र विजेता है उनके परिवार में उनकी विधवा और दो लडक़े हैं और उनका एक लडक़ा सेना में अधिकारी है अब उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि के लिए हर वर्ष छह से आठ जून को तीन दिवसीय शौर्य महोत्सव का आयोजन किया जाता है जबकि पिछले 13 वर्षों से किन्ही कारणों से मेले का आयोजन नहीं हो पाया इस बार भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है मंडल अध्यक्ष नंदू बहुगुणा,गंगा सिंह बिष्ट,गिरीश चमोला, महिपाल सिंह भंडारी, मेला अध्यक्ष वीरू जोशी, मेला व्यवस्थापक देवी जोशी, उपाध्यक्ष दर्शन सिंह शाह ग्राम प्रधान चेपड़ो, महासचिव देवेंद्र सिंह रावत,सचिव भरत सिंह, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद जोशी, विकास जोशी, कार्यक्रम संयोजक प्रधानाचार्य शहीद भवानी दत्त स्मारक इंटर कॉलेज चेपड़ो दिगपाल सिंह गडिया, सांस्कृतिक सचिव महिला मंगल दल अध्यक्षा नीलू शाह, प्रशासनिक व्यवस्थापक प्रकाश जोशी,मीडिया प्रभारी रमेश जोशी, अजय जोशी, सचिन जोशी,संदीप शाह राकी ठाकुर, प्रिंस आदि उपस्थित रहे इस अवसर पर लोक गायक सौरभ मैठाणी, दीपा नगरकोटी, मृणाल रतूड़ी,वसुधा गौतम के गीतों पर दशक खूब झूमे कार्यक्रम मे ब्लाक प्रमुख देवाल दर्शन दानू,ब्लाक प्रमुख थराली कविता नेगी, ब्लाक प्रमुख नारायणबगड़ यशपाल सिंह नेगी,रक्षक मंडल के सदस्य पुष्कर सिंह शाह,हरपाल सिंह शाह,रणवीर सिंह रावत, पूर्व कैप्टन नरेंद्र सिंह,गिरीश चंद जोशी,गंगाधर जोशी,हरेंद्र सिंह शाह,बलवंत सिंह शाह, गंगा सिंह शाह,दामोदर जोशी मौजूद रहे मेले मे विशेष सहयोग लक्ष्मी पांडे, भास्कर पांडे,विकास विकाश जोशी देवी जोशी, चंदन जोशी, सूरज जोशी, अजय जोशी, नवनीत रावत, गिरीश जोशी आदि का रहा संचालन रेखा धनाई ने किया।

# उत्तराखंड में इस दिन पहुंचेगा मानसून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मानसून को लेकर मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया है,,मानसून की दस्तक को लेकर मौसम विभाग ने कहा कि जल्द केरल के तटों से टकराने के बाद जून महीने के आखरी दिनों में मानसून उत्तराखंड प्रवेश कर जाएगा। मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह ने कहा कि मुख्यालय ने एक प्रेस रिलीज जारी की है जिसमें कहा गया है कि इस बार पूरे देश में मानसून सामान्य रहने वाला है यानि पिछले दिनों के मुकाबले इस वर्ष मानसून में कोई ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। आपको बता दें कि मानसून की दस्तक को लेकर लोगों की चिंताएं बनी रहती है और चिंता इस बात को लेकर कि मानसून अपने साथ कुछ ना कुछ तबाही जरूर लेकर आता है लेकिन मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष मानसून सामान्य रहने का अंदेशा है।

# पूर्व मण्डलीय मंत्री शिव सिंह नेगी ने शिक्षकों की समस्याओं को उजागर किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जखोली। राजकीय शिक्षक संघ का दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन जीआईसी अल्मोड़ा में संपन्न होगा, जिसमें शिक्षक छात्र छात्राओं के शैक्षिक स्तर में सुधार के साथ साथ शिक्षक हितों के संरक्षण और तमाम समस्याओं के समाधान के लिए अपने प्रतिनिधियों का निर्वाचन भी करेंगे। शिक्षक संघ के पूर्व मण्डलीय मंत्री शिव सिंह नेगी ने शिक्षकों की समस्याओं को उजागर करते हुए कहा है कि शिक्षकों की पदोन्नति,पुरानी पेंशन बहाली ,स्थानान्तरण,अंतरमंडलीय स्थानान्तरण,अटल उत्कृष्ट से संबंधित प्रकरण,तदर्थ शिक्षकों का चयन/ प्रोन्नत वेतनमान विसंगति,वेतन विसंगति, समायोजित शिक्षकों की विसंगति,द्वितीय वर्ष में सी सी एल प्रकरणों पर वेतन कटौती,यात्रावकाश आदि समस्याओं का निस्तारण न होने से शिक्षकों के बीच आक्रोश ओर निराशा का माहौल व्याप्त है। आगामी 6 और 7 जुलाई को होने वाले अधिवेशन में भाग लेने वाले शिक्षक जहां छात्र छात्राओं के बेहतर शैक्षिक गुणवत्ता विषय पर चर्चा परिचर्चा करेंगे वहीं अधिवेशन के दूसरे दिन शिक्षक अपने समस्याओं के समाधान के लिए प्रांतीय नेतृत्व का चुनाव भी करेंगे। जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष,उपाध्यक्ष, महामंत्री, संघटन मंत्री आदि पदों के लिए निर्वाचन की प्रक्रिया सम्पन्न होगी। जिसे लेकर शिक्षक शोसियल मीडिया,प्रिंट मीडिया सहित तमाम तरह तरीकों से अपने अपने बात आम शिक्षकों के बीच साझा करने में लगे हैं। हाल ही में अधिवेशन की तिथि घोषित होने के बाद प्रांतीय महामंत्री पद पर आनलाइन प्री पोल सर्वेक्षण प्रत्याशियों के बीच कराया गया, जिसमें शिव सिंह नेगी को सबसे अधिक 52 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। वहीं मत प्रतिशत के हिसाब से डा.अंकित जोशी दूसरे,रमेश पैन्यूली तीसरे,बलवन्त सिंह नेगी और एकता रस्तोगी को चौथे स्थान पर दिखे। कुल मिलाकर कर शोसियल मीडिया के प्री पोल सर्वेक्षण की माने तो शिव सिंह नेगी ने इसमें अपने प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त बनाने में कामयाबी हासिल कर ली है, वैसे इन परिणामों का शिक्षक संघ के चुनाव परिणाम से कोई ताल्लुक नहीं है, फिर भी मनोवैज्ञानिक रूप से शिव सिंह नेगी ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त बनाने का काम किया है। सांगठनिक क्षमता के तौर तरीकों की बात भी कई शिक्षक प्रत्याशी शिक्षकों के बीच रख रहे हैं। जिसमें महामंत्री पद की दावेदारी कर रहे शिव सिंह नेगी का दावा है कि वे ढाई दशकों से ब्लॉक,जनपद,मंडल स्तर पर शिक्षकों के हितों की सुरक्षा के लिए आंदोलन, शासन और सरकार से वार्ता,धरना,प्रदर्शन,तालाबंदी और आमरण अनशन जैसे कार्यक्रमों में निस्वार्थ भाव से प्रतिभाग करते आ रहे हैं। उनका कहना है कि विगत छः वर्षों में वे पदाधिकारी न होते हुए भी शिक्षकों के ज्वलंत मुद्दों के समाधान हेतु सदैव संघर्षरत रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि इस सांगठनिक यात्रा में विभागीय अधिकारियों,शासन में तैनात अधिकारियों और मुख्यमंत्री,मंत्रीगणों के साथ वार्ता आदि के फलस्वरूप प्राप्त अनुभव का विभिन्न प्रकरणों को हल करने हेतु वे सदुपयोग करना व अपना नैतिक दायित्व समझते हुए शिक्षकों व शिक्षिकाओं को आश्वस्त कर रहे हैं कि कभी भी सांगठनिक एकता का दुरुपयोग अपने निजी हितों की पूर्ति के लिए न करने के बजाय वे संगठन हित में करेंगे। अन्य प्रत्याशियों से संपर्क कर उनकी प्राथमिकताओं को सार्वजनिक किया जायेगा।

# गाँवो व बाजारों से टैक्स की पूरी वसूली, सफाई कर्मी भेजना भूली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जखोली। पंचायत राज विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रो को स्वच्छ व साफ सुथरा रखने के लिए जगह-जगह कूड़ेदान स्थापित तो कर दिये लेकिन कूड़ेदानो मे एकत्रित कूड़े के निस्तारण की कोई व्यवस्था नही की गयी है, पंचायती राज विभाग द्वारा कर्मचारी की नियुक्ति न किये जाने से जब से कूड़ेदान लगाये गये हैं तब और आज तक कूड़ा तस का तस पड़ा हुआ है।

जानकारी के लिए बता दे कि सरकार ने 15वें वित्त आयोग से स्वीकृत धनराशि से गाँवो मे करोड़ो रु की लागत से कूड़े को अपने घरो मे जमा करने के लिए जैविक ,अजैविक डेस्टविन व ग्राम पंचायतों को तो जरूर वितरण किये लेकिन उनका प्रयोग लोग कूड़े के लिए नही बल्कि घरो मे अपनी आवश्यक चीजे जैसे आटा, चावल इत्यादि के लिए उपयोग मे ला रहे हैं और जो बाजारों और गाँवो लगाये गये कूड़ा कलेक्शन हेतू कूड़ेदान रखे गये है उनमे जमा कूडे से अब भंयकर बदबू भी आने लगी है,तथा दुर्गध से गाँवो की हवा दूषित होने लगी है जिससे आने वाले समय मे बिमारी फैलने का डर अब लोगो को सताने लगा है। ज्ञात हो कि विकासखंड जखोली के गाँवो व मुख्य बाजारो मे पंचायतराज विभाग ने स्वच्छ ग्राम स्वच्छ भारत अभियान के तहत कूड़ेदान लगाये गये हैं ताकि गाँवो मे सफाई व्यवस्था बेहतर हो सके लेकिन जखोली के दर्जनों गांव,कस्बों व बाजारों मे रखे गये कूड़ेदानों मे कूड़ा आज भी वैसे ही देखने को मिल रहा है। ग्रामीण रोजाना इन कूड़ेदानों मे कचरा डाल रहे हैं जगह जगह कचरा कूड़ेदानों मे डम्प हो रहा है लेकिन प्रशासन कूड़ा नही उठा रहा है। आपको अवगत करा दे जखोली के ग्राम पंचायत बुढना, के फतेड़ू बाजार मे भी दो कूड़ेदान एक जैविक व एक अजैविक लगाये गये है जिनको लगे आज लगभग 6 माह का समय गुजरने वाला है लेकिन तब से और आज तक जिलापंचायत रूद्रप्रयाग द्वारा कूड़े का निस्तारण नही किया गया। बुढना की प्रधान श्रीमती आरती देबी,पूर्व प्रधान धनपूरु लाल,सामाजिक कार्यकर्ता जगत सिह कंडवाल, पूर्व प्रधान सौकार सिह राणा,दलेब सिह राणा सहित फतेड़ू बाजार के व्यापारियों का कहना है कि इस संमध मे हमने एक प्रार्थना पत्र जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अमरदेई शाह को भी दिया लेकिन कूड़ेदान मे जमा कचरे के निस्तारण हेतू कोई कार्यवाही नही की गयी।

# देहरादून : सीएम धामी की घोषणा, प्रदेश में जल्द होगी 1550 कांस्टेबलों की भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड पुलिस में जल्द ही कांस्टेबल के 1550 पदों पर नई भर्ती होगी। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस लाइन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के दौरान इसकी घोषणा की। इस दौरान सीएम धामी ने उत्तराखंड पुलिस में आरक्षी जनपदीय पुलिस, आरक्षी पीएसी/आईआरबी तथा फायरमैन पद पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। सीएम ने कहा कि प्रदेश में लंबे समय से भर्तियों में नकल की बात सामने आ रही थी। इसे लेकर सरकार सख्त है। उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जहां नकल विरोधी कानून लागू हुआ है। किसी भी युवा के साथ सरकार अन्याय नहीं होने देगी।

# बच्चों के लिए पांच दिवसीय समर कैंप का आयोजन

हरिद्वार । नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय छात्रावास में बच्चों के लिए पांच दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। समर कैंप में बच्चों को चित्र देखकर कहानी बनाना, शब्दों के आधार पर कहानी बनाना, अधूरी कहानी पूरी करना, कहानी के आधार पर चित्र बनाना सिखाया जा रहा है। साथ ही कबाड़ से जुगाड़ के तहत बेकार पड़े सामान से विज्ञान के कई प्रयोग बच्चों को बताएं जा रहे है। वहीं बच्चों को पेपर मैसी और निबंध लिखना भी सिखाया जा रहा है। बच्चों की पत्रिका बालप्रहरी और बालसाहित्य संस्थान के बैनर तले आयोजित समर कैंप में मंगलवार को बच्चों ने मेरे जीवन की घटना, चुटकुले, मेरे दादा-दादी, नाना-नानी, हमारा होस्टल आदि विषय पर निबंध लिखा। बच्चों को कहानी लेखन की बारीकियां बताते हुए पत्रिका बालप्रहरी के संपादक एवं बालसाहित्य संस्थान के सचिव उदय किरौला ने बच्चों को कहानी सुनाई। इस मौके पर साहित्यकार प्रकाश पांडे, भारत ज्ञान विज्ञान समिति के प्रांतीय अध्यक्ष विजय भट्ट, महासचिव एसएस रावत, हास्टिल वार्डन योगेश्वर सिंह, मंगेश, आकाशकांत, आशीष अग्रवाल, गोपाल रतूड़ी, तेजस्वी, मीना, दीपा, संतोषी आदि उपस्थित रहे।

# जिलाधिकारी व प्रशासनिक अधिकारियों ने किया स्वास्थ्य इकाइयों का रात्रि में औचक निरीक्षण

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित सहित अपर जिलाधिकारी व सभी उप जिलाधिकारियों ने सोमवार रात्रि 9 बजे विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा मरीजों को उपलब्ध हो रही सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सोमवार रात्रि को जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग का औचक निरीक्षण करते हुए भर्ती मरीजों की देखभाल हेतु तैनात चिकित्सकों, स्टाफ नर्स आदि सहित रोगियों को मिलने वाली स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों से मिलकर समस्याएं सुनीं। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, गायनी नर्सिंग कक्ष व अन्य वार्डों में जाकर व्यवस्थाओं को देखा। चिकित्सालय के बाहर रखे गए डस्टबिन में कूड़ा-करकट, दवाइयों के रैपर, ग्लब्स, उपयोग किए गए इंजेक्शन आदि भरे होने पर उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को रात्रि में साफ-सफाई रखने के साथ ही कूड़े का समय से उचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा जिलाधिकारी ने अनुपस्थित चिकित्सक व स्टाफ के स्पष्टीकरण हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कार्डियक केयर सेंटर का भी निरीक्षण किया जहां नर्सिंग अधिकारी ने उन्हें अवगत कराया कि वार्ड में कुल 4 मरीज भर्ती हैं जिन्हें आवश्यकता के अनुसार दवाइयां व अन्य मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में कार्यरत सभी चिकित्सकों व अन्य मेडिकल स्टाफ की शत-प्रतिशत उपस्थिति बायोमेट्रिक से करने के निर्देश देते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को माह मई, 2023 से निरीक्षण की तिथि तक की उपस्थिति उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही बायोमेट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही वेतन आहरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अस्पताल के मुख्य गेट पर स्थित डिस्प्ले बोर्ड में चिकित्सालय में रात्रि में तैनात चिकित्सक व अन्य मेडिकल स्टाफ का मोबाइल नंबर सहित नाम अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए ताकि इमरजेंसी में अस्पताल आने वाले मरीजों को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े।

वहीं अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी ने सोमवार रात्रि को कोटेश्वर स्थित माधवाश्रम चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यहां पर भर्ती मरीजों का हालचाल पूछा। यहां पर 9 मरीज आईपीडी में भर्ती थे जिनमें 2 मरीज पथरी ऑपरेशन के जबकि 7 मरीज हड्डी रोग से संबंधित थे। मरीजों ने अपर जिलाधिकारी को अवगत कराया कि उन्हें नियमित रूप से भोजन दिया जा रहा है।

इसी क्रम में उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग अपर्णा ढौंडियाल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान यहां पर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। जिसमें ऑक्सीजन व आपातकालीन दवाएं उपलब्ध मिली। साथ ही चिकित्सक, नर्स व वार्ड ब्वॉय सहित एंबुलेंस व चालक भी उपस्थित मिले। बताया कि यहां ऑपरेशन हेतु एक मरीज भर्ती हुआ है। उन्होंने यहां तैनात चिकित्सकों को रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली का सोमवार रात्रि में निरीक्षण करते हुए उप जिलाधिकारी जखोली परमानंद राम ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक औषधियों की जानकारी ली गई। जिस पर प्रभारी चिकित्साधिकारी ने उन्हें अवगत कराया कि स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त मात्रा में औषधि उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा डिलीवरी कक्ष का भी निरीक्षण किया गया तथा चिकित्सा अधिकारी को भर्ती मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान उन्होंने स्टाक रजिस्टर व उपस्थिति पंजिका का भी अवलोकन किया।

उप जिलाधिकारी ऊखीमठ जितेंद्र वर्मा ने भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थिति पंजिका, आपातकालीन कक्ष, एंबुलेंस व सचल चिकित्सा वाहन आदि व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए चिकित्सकों को भर्ती मरीजों की नियमति रूप से देखभाल करने सहित हर आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य सुविधाओं की निरंतर निगरानी हेतु निकट भविष्य में भी इसी तरह से औचक निरीक्षण किया जाएगा तथा अनुपस्थित पाए गए चिकित्सक व अन्य कर्मचारियों से स्पष्टीकरण/कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं को लेकर सभी चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

# देश के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदाय ने महत्वपूर्ण और महान योगदान दिया : राज्यपाल

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

नैनीताल/खटीमा। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मंगलवार को सेवा प्रकल्प संस्थान, उत्तराखंड द्वारा खटीमा में आयोजित 'स्वतंत्रता आंदोलन में जनजाति नायकों का योगदान' महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में लगी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदाय ने महत्वपूर्ण और महान योगदान दिया है। जनजातीय समाजों ने अपने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शक्तिशाली और प्रभावशाली रूप से संघर्ष किया है। जनजातियों ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपनी सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक संगठन को सशक्त किया। राज्यपाल ने कहा की जनजातीय समाजों ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ सशक्त आंदोलन चलाए, गुडिया सत्याग्रह, असहिष्णुता के खिलाफ संगठन किया और आर्य समाज, सनातन धर्म सभा जैसे आंदोलनों में भी अपना योगदान दिया। वीर बिरसा मुंडा, सिद्धो और कान्हु मुरमु जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी जनजातियों ने अपने लोगों को विदेशी आक्रमणकारियों के खिलाफ उठने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपनी जानों को न्यौछावर करते हुए लोक विद्रोह के माध्यम से अपनी स्वतंत्रता को प्राप्त की। राज्यपाल ने कहा की उत्तराखण्ड में जब जनजातीय समाज की चर्चा होती है तो 5 मुख्य जनजातियां थारू, बुक्सा, जौनसारी, भोटिया एवं राजी समाज का जिक्र आता है। इन सभी जनजातियां द्वारा प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। जनजातीय समाज का प्रयास, सबका प्रयास, ही आजादी के अमृतकाल में बुलंद भारत के निर्माण की ऊर्जा है। भारत सरकार ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाने का निर्णय लिया है, जनजातीय समाज के आत्मसम्मान के लिए, आत्मविश्वास के लिए, अधिकार के लिए, हम दिन-रात मेहनत करेंगे, जनजातीय गौरव दिवस इस संकल्प को दोहराने का दिन है। राज्यपाल ने कहा की आज हमारे देश के प्रथम नागरिक के रूप में श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी, हमारी महामहिम राष्ट्रपति के रूप में ना सिर्फ जनजातीय समाज बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा रही हैं, श्रीमती मुर्मु जी का जीवन हर भारतीय को प्रेरित करता है। उनके शुरुआती संघर्ष, उनकी समृद्ध सेवा और उनकी अनुकरणीय सफलता हर भारतीय के लिए गर्व करने के समान है। वह हमारे नागरिकों, विशेष रूप से गरीबों, वंचितों और दलितों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी हैं। आज़ादी का ये अमृतकाल, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का काल है।

# हरकी पैड़ी पर गंगा, यमुना और सरस्वती नदी यात्रा का हुआ समापन

हरिद्वार। हरकी पैड़ी पर गंगा, यमुना और सरस्वती नदी यात्रा का समापन हुआ। यमुना और सरस्वती यात्रा हरियाणा से प्रारंभ होकर उत्तर प्रदेश से गुजरते हुए उत्तराखंड की पावन भूमि हरिद्वार में हर की पौड़ी पर पहुंची। इस दौरान राज्य के कैबिनेट मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। साथ ही मौके पर क्षेत्रीय सांसद डा. रमेश पोखरियाल निशंक और गुजरात के पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन भाई पटेल भी शामिल रहे। डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का संरक्षण और गंगा की निर्मलता से जनता जनार्दन को सीधे जोडऩा है। ताकि नई पीढ़ी आधुनिकता की दौड़ में अपनी पौराणिक संस्कृति को न भूल जाये। इसके लिए डा. अग्रवाल ने आयोजक मंडल को बधाई दी। इस मौके पर सांसद डा. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि गंगा की निर्मलता को बनाए रखने के लिए सरकार अनेक कार्यक्रम संचालित करती है। हम सभी को भी गंगा, यमुना और सरस्वती नदी के अस्मियता को बनाए रखने के लिए आगे आना होगा। गुजरात के पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन भाई पटेल ने कहा कि गंगा, यमुना और सरस्वती तीनों ही नदियां पूज्नीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इनके संरक्षण को प्रतिबद्ध है। हमें अपनों को इन नदियों के बारे में जागरूक करना होगा। इससे खासकर युवाओं में जागरूकता बढ़ेगी। इस मौके पर यात्रा संयोजक रविंद्र गोयल, राजेंद्र अटल, नारायण सिंह राणा, भारत चौहान, मौसम चौहान, डा. दयाशंकर, प्रीतम सिंह, चमन सिंह, श्रीगंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम, चंदन सैनी आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया

रुडक़ी। मदरहुड़ विश्वविद्यालय के परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर कुलपति डॉ. नरेन्द्र शर्मा एवं निदेशक प्रशासन दीपक शर्मा ने पौधरोपण किया। इसकी थीम नो प्लास्टिक रखी गई। थीम को लेकर डॉ. नरेन्द्र शर्मा ने प्लास्टिक के दुरूपयोग के बारे में अवगत कराया। मौके पर नीम, तुन, कनेर, सावनी आदि को हर्बल गाडर्न में लगाया और ग्रीन टुडे क्लीन टुमॉरो का संदेश दिया। दीपक शर्मा ने बताया कि हम पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने और प्रकृति को सुरक्षित रखने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस को मानते हैं।

### पेड़ पौधों की उपयोगिता बताई

रुडक़ी। अरिहन्त ग्रुप ऑफ कॉलेज में संस्थान के सचिव डॉ दीपक जैन और कोषाध्यक्ष शालू जैन ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर छात्र-छात्राओं के साथ पौधरोपण किया। छात्र-छात्राओं को पेड़-पौधों की उपयोगिता बताकर उन्हें शपथ दिलाई। बताया कि पौधे लगाकर आजीवन पर्यावरण का संक्षरण करते रहेंगे। पूजा बिष्ट, तनुजा और मानसी आदि ने पर्यावरण के सम्बन्ध में छात्र-छात्राओं को बताया। इस अवसर आदेश जैन, डॉ. विनोद शर्मा, डॉ. पवन कुमार, अजय कुमार, रामगोपाल कटारिया, टीना मलिक, श्रवण कुमार, निहारिका, निशा अंजुम, पंकज कुमार सिंह आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

### परचून की दुकान में चोरी का आरोपी गिरफ्तार

रुडक़ी। पुलिस ने परचून का सामान चोरी करने के आरोपी को एक माह बाद गिरफ्तार किया है। चोरी का सामान भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। गंगनहर कोतवाली को अमित कुमार निवासी रामपुर ने तहरीर देकर बताया था कि चार मई को परचून की दुकान से काफी सामान चोरी हो गया था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। दुकान से चावल के कट्टे, इलेक्ट्रॉनिक तराजू, बीड़ी के बंडल, सिगरेट की डिब्बी, साबुन और अन्य सामान चोरी हुआ था। पुलिस ने एक माह बाद चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

### मां बेटी को धमकी देने पर केस दर्ज

रुडक़ी। पुलिस ने मां-बेटी को परेशान और धमकी देने वाले आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गंगनहर कोतवाली को इंदिरा विहार सुनहरा रोड निवासी महिला ने बताया कि अज्ञात नंबर से कई दिनों से कॉल आ रही थी। रास्ते में आते जाते वक्त उसे और उसकी बेटी को परेशान किया जा रहा है। फोन पर भी जान से मारने की धमकी मिल रही है। वरिष्ठ उप निरीक्षक प्रदीप तोमर ने बताया कि फोन नंबर की जांच में शुभम और अक्षय निवासी रुडक़ी का नाम सामने आया है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

### मेले में बिछड़े दो बच्चों को परिजनों को सौंपा

रुडकी। लक्सर से सटे वन क्षेत्र स्थित हजरत शाह मोहम्मद शाह उर्फ काठा पीर पर फिलहाल सालाना उर्स चल रहा है। उर्स पर लगे मेले में दूर दराज के लोग आ रहे हैं। मंगलवार को मजार के पास तैनात पुलिस को पहले सात साल की एक बच्ची और चार साल का बच्चा लावारिस घूमते मिले। उन्हें मजार की अस्थायी चौकी लाकर पूछताछ की गई। लेकिन बच्चे अपने माता-पिता या गांव का नाम नहीं बता सके। इसके बाद पुलिस ने मजार की माइक से लोगों को दो बच्चे मिलने की जानकारी दी। थोड़ी देर बाद दोनों के परिजन चौकी पहुंच गए। दरोगा लोकपाल परमार ने बताया कि बच्ची पास में अंबुवाला गांव की थी, जबकि बच्चा ऐथल बुजुर्ग गांव का था। पूरी जांच पड़ताल के बाद दोनों बच्चे उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिए गए हैं।

### कार्यशाला में 6जी और सेल-फ्री सिस्टम पर चर्चा

रुडकी। आईआईटी में डिमिस्टिफाइंग सेल-फ्री कम्युनिकेशन पर आयोजित कार्यशाला में डोमेन में प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर चर्चा की गई। ईसीई विभाग आईआईटी रुडक़ी, एसईआरबी की त्वरित विज्ञान योजना के तहत 11 जून तक 6जी और डिमिस्टिफाइंग सेल-फ्री कम्युनिकेशन पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

ईसीई संकाय सदस्यों प्रो अभय के साह, प्रो. एकांत शर्मा, प्रो. अंशुल जायसवाल एवं प्रो. एम. रावत अहम भूमिका निभाई। इस दौरान पारंपरिक मल्टीसेल सिस्टम के संभावित विकल्प के रूप में 6जी और उससे आगे के सिस्टम के लिए विचार किए जा रहे सेल-फ्री सिस्टम पर चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्घाटन प्रोफेसर अजीत कुमार चतुर्वेदी पूर्व निदेशक, आईआईटी रुडक़ी और आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर रजत अग्रवाल, एसोसिएट डीन इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुडक़ी, प्रोफेसर संजीव मन्हास, कार्यवाहक प्रमुख, ईसीई, प्रो अभय के साह, कार्यक्रम आयोजक एवं सहायक प्रोफेसर की मौजूदगी में किया गया।

### मंगलौर में तमंचे के बल पर शराब ठेका लूटा

रुडकी। तमंचे के बल पर कस्बे में शराब का ठेका लूटने का मामला सामने आया है। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। बदमाश अपने साथ लूटपाट कर हजारों की रकम और शराब की पेटी लेकर बाइक से भाग गए। लूट की सूचना पर पुलिस ने जांच पड़ताल की। तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव नाथूखेड़ी के बाहर शराब का ठेका है। सोमवार की देर शाम शराब का ठेका तो बंद हो चुका था लेकिन बराबर में कैंटीन खुली थी। सेल्समैन प्रदीप कुमार ने बताया कि तीन युवक एक बाइक पर सवार होकर वहां पहुंचे थे। वह सीधे कैंटीन में चले गए, जहां कैंटीन संचालक सतपाल की कनपटी पर तमंचा तान दिया। आंतकित कर तीन हजार रुपये लूट लिए। उसके बाद बदमाशों ने कैंटीन संचालक से ठेके का दरवाजा खुलवाया। दरवाजा खुलते ही तीनों तमंचे लहराते हुए ठेके में घुस गए। तमंचे के बल पर वहां से करीब 45 हजार रुपये और एक शराब की पेटी लूटकर फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

### एनएचएम स्वास्थ्य कर्मियों ने काली पट्टी बांध किया प्रदर्शन

रुडक़ी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत रखे गए संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर काम किया। इससे पहले उन्होंने सांकेतिक प्रदर्शन भी किया राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संगठन के आह्वान पर सरकारी अस्पतालों में तैनात स्वास्थ्य कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर कार्य शुरू किया। सिविल अस्पताल रुडक़ी में एनएचएम के 40 स्वास्थ्य कर्मी तैनात हैं। स्वास्थ्य कर्मियों ने एनएचएम कर्मियों के लिए डेड कैडर गठित कर सेवा व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने, डेड कैडर लागू होने तक वेतन में 30 प्रतिशत की वृद्धि, एचआर पॉलिसी लागू करने, आउटसोर्स कर्मियों का अनुबंध कंपनी से न कराकर राज्य या फिर जिला स्वास्थ्य समिति से कराए जाने की मांग की। इससे पहले उन्होंने सांकेतिक प्रदर्शन किया।

# बढ़ रहा है हार्ट अटैक का खतरा, नई स्टडी में हुआ खुलासा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 07 जून : एक नई रिसर्च में पता चला है कि दिल का दौरा खासतौर पर हफ्ते के एक सबसे ज्यादा देखा गया है। रिसर्च के मुताबिक, सोमवार का दिन ऐसा जब सबसे ज्यादा हार्ट अटैक देखे जाते हैं। अध्ययन के निष्कर्ष मैनचेस्टर में ब्रिटिश कार्डियोवास्कुलर सोसाइटी (बीसीएस) सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए। यह अध्ययन आयरलैंड में बेलफास्ट हेल्थ एंड सोशल केयर ट्रस्ट और रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स के डॉक्टरों द्वारा किया गया था। इस शोध के लिए 20 हज़ार से ज्यादा मरीजों पर स्टडी की गई थी।

शोधकर्ताओं ने पाया कि ST-सेगमेंट एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन (STEMI), जो एक गंभीर तरह का हार्ट अटैक है, मरीजों में देखा गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि सोमवार को STEMI दिल के दौरे की दर अधिक थी। एसटीईएमआई में एक प्रमुख कोरोनरी धमनी पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाती है, जिससे ऑक्सीजन और रक्त की आपूर्ति बंद हो जाती है। बेलफास्ट हेल्थ एंड सोशल केयर ट्रस्ट में शोध का नेतृत्व करने वाले कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. जैक लाफन ने डेली मेल को पिछले अध्ययनों के निष्कर्षों का हवाला देते हुए बताया कि सोमवार को ही ऐसा क्यों होता है, यह साफ नहीं है, लेकिन हम मानते हैं कि इसका कुछ संबंध सर्केडियन रिदम से है, जो परिसंचारी हार्मोन को प्रभावित करता है, जिससे दिल के दौरे और स्ट्रोक की संभावना बढ़ जाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि शोध के दौरान सर्दियों में और सुबह के समय दिल के दौरे में इस तरह के बदलाव देखे गए थे। उन्होंने आगे यह भी बताया कि सोमवार को वापस ऑफिस जाने का स्ट्रेस भी होता है। तनाव बढ़ने से शरीर में कोर्टिसोल नाम का स्ट्रेस हार्मोन का स्तर बढ़ने लगता है, जो दिल के दौरे का जोखिम बढ़ जाता है। इस दौरान हृदय की मुख्य धमनियों में पूरी तरह से रुकावट आ जाती है, जिसके कारण वेंट्रिकल्स की मांसपेशियां मर जाती हैं। STEMI को सबसे जोखिम भरे हार्ट अटैक के रूप में जाना जाता है। ऐसा इसलिए

क्योंकि दिल रक्त को पम्प कर फेफड़ों तक पहुंचाता है, मासंपेशियों को नुकसान पहुंचने से दिल अपना काम नहीं कर पाता है। क्योंकि दिल की मांसपेशियां पुनः उत्पन्न नहीं होतीं इसलिए नुकसान हमेशा के लिए हो जाता है।

# उत्तराखंड : चमोली में चयनित हुए 32 अभ्यर्थियों चमोली पुलिस द्वारा प्रदान किये गये नियुक्ति पत्र

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

चमोली 07 जून : पुलिस लाईन गोपेश्वर में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा आरक्षी जनपद पुलिस,आरक्षी पीएसी/आई-आरबी तथा फायरमैन में नवचयनित 32 पुलिस आरक्षियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए व पुलिस परिवार में सभी का स्वागत किया। ने कहा कि आज नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले नवचयनित पुलिस आरक्षियों के जीवन में नई जिम्मेदारियां, नई चुनौतियां और नए अवसर आने वाले हैं। रोज नया अवसर आपके लिए इंतजार कर रहा है। अपने भीतर के विद्यार्थी को हमेशा जीवित रखें। नवचयनित पुलिसकर्मी हर पल नया सीखने और क्षमता

बढ़ाने की कैपाबिलिटी बढ़ाएं।

जिन युवाओं को आज नियुक्ति पत्र मिला है, उनकी ट्रेनिंग में भी इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि उन्हें ज्यादा से ज्यादा संवेदनशील बनाया जाए। प्रदेश सरकार, पुलिस बल प्रशिक्षण में कई बदलाव कर तेजी से सुधारने का काम कर रही है।

स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को साइबर क्राइम, फॉरेंसिक साइंस और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। नियुक्ति पत्र पाने वाले सभी नौ जवानों पर आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ समाज को दिशा देने की भी जिम्मेदारी है। लोगों के लिए आप सेवा और शक्ति, दोनों का प्रतिबिम्ब हो सकते हैं। आप अपनी निष्ठा और मजबूत संकल्पों से ऐसा वातावरण बनाएं, जहां अपराधी भयभीत रहें और कानून का पालन करने वाले लोग सबसे ज्यादा निडर रहें।

## संक्षिप्त खबरें

### डीएम से ग्रीष्मकालीन अवकाश मांगा

नई टिहरी। सरकार की ओर से जारी शासनादेश के मुताबिक चंबा ब्लॉक की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संगठन ने डीएम को पत्र भेजकर उनका दस दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश स्वीकृत करने की मांग की है संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पा सजवाण ने कहा कि आजकल सरकारी विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश चल रहा है, लेकिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ड्यूटी पर तैनात है। कहा कि सरकार ने उनका दस दिवासीय अवकाश स्वीकृत करने के लिए डीएम को निर्णय लेने का अधिकार दिया है। उन्होंने डीएम से आगामी 12 से 21 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश हेतु बाल विकास विभाग अधिकारी को निर्देश देने की मांग की है। पत्र देने वालों में पूनम डोभाल, भागेश्वरी उनियाल, प्रियंका आदि आंगडबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

### पंद्रह दिन में करें समस्याओं का समाधान

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लाक में तहसील दिवस में समस्यायें सुनते हुए सीडीओ मनीष कुमार ने ग्राम भेलुन्ता के बल्ली लाल के भूस्खलन से प्रभावित परिवारों का अवशेष भुगतान करने की मांग पर एसडीएम प्रतापनगर को चार दिन के भीतर कार्यवाही सुनिश्चित कर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मौके पर 33 शिकायतों का निस्तारण करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का हर हाल में 15 दिन के भीतर समाधान करने की भी हिदायत दी। जिले के प्रतापनगर के ब्लाक सभागार में आयोजित तहसील दिवस का आयोजन सीडीओ मनीष कुमार की अध्यक्षता में किया गया। सीडीओ ने इस मौके पर कहा कि विभागीय अधिकारी अपने विभाग की सटीक जानकारी जन-जन तक प्रसारित करने का काम करें। इससे शिकायतें नहीं आयेंगी। अधिकारी शासन स्तर की समस्यओं के लिए शासन से त्वरित पत्राचार करना भी सुनिश्चित करेंगे। शिकायतों में ग्राम बनाली के दिलमोहन सिंह रावत ने बनाली चोलंग पेयजल योजना के खस्ताहाल होने की शिकायत की। जिस पर जल संस्थान को एक सप्ताह में निस्तारण कर स्पष्ट आख्या उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराने को कहा गया। ग्राम हलेय के उम्मेद सिंह ने चेकडैम व सुरक्षा दीवार लगाने की मांग कर कास्तकारों की भूमि को बचाने की अपील की। जिस पर सीडीओ ने कृषि अधिकारी व बीडीओ प्रतापनगर को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। ग्राम बैसाड़ी के सुमेर सिंह रावत ने ग्राम पंचायत बैसाड़ी में विकास कार्यों को कराये जाने की मांग पर वीडीओ को जन भावनाओं के आधार पर परीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

### एनएचएम कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

नई टिहरी। एनएचएम संविदा कर्मचारी ने सात लंबित मांगों के निराकरण को लेकर काली पट्टी बांधकर अपना विरोध जताया। कर्मचारियों ने जल्द मांगें पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। मंगलवार को सात सूत्रीय मांगों को लेकर टिहरी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारियों ने हाथ की बांह पर काली पट्टी बांध कर अपना विरोध दर्ज करवाया। कर्मचारियों ने प्रत्येक माह की पांच तारीख तक वेतन दिये जाने,सभी कर्मचारियों को हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ देने, एनएचएम कर्मचारी के मृत्यु की दशा में उसके परिवार को आर्थिक मद्द के साथ परिवार के सदस्य को अनुकंपा के आधार पर किसी भी विभाग में नियुक्ति देने, सीएम की घोषणा के अनुरुप कोविड में सरहानीय कार्य करने वाले कर्मचारी को दस हजार प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की मांग की है। साथ ही वर्ष 2022 में हड़ताल के दौरान हरिद्वार से हटाई गई स्टाफ नर्सेज की पुर्न बहाली, रुद्रप्रयाग जिले में टीएंडएम कंपनी के माध्यम से कार्यरत 11 एएनएमों का सेवा विस्तार किये जाने की मांग की है। संगठन प्रदेश अध्यक्ष सुनील भंडारी ने कहा कि मांगों को लेकर प्रथम चरण में कर्मचारी काला फीता बांधकर अपना विरोध दर्ज कर रहे हैं। नौ जून को कर्मचारी एक दिन का कार्य बहिष्कार करेंगे, मांगें न माने जाने की दशा में 12 जून को समस्त एनएचएम कर्मचारी मिशन निदेशक के दफ्तर का घेराव करेंगे। इसके बाद भी मांगे नहीं मानी गई तो आंदोलन शुरु किया जाऐगा। मांग करने वालों में अनिल बिजल्वाण, विवेक बगाड़ी, अनुर्ज रावत, दर्मियान सिंह, कमला तोपवाल, ऋषभ उनियाल, डॉ. रीना सिंह, मधु डोभाल, तनुजा, विजय लक्ष्मी आदि मौजूद थे।

### आत्महत्या मामले की हो निष्पक्ष जांच

पौड़ी। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मातबर सिंह नेगी ने जीबी पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी घुड़दौड़ी में असिस्टेंट प्रोफेसर की आत्महत्या मामले की वास्तविक तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच किए जाने की मांग की है। कहा कि निष्पक्ष जांच को लेकर सीएम, डीएम व एसएसपी को ज्ञापन भेजा गया है। शनिवार को पौड़ी में पत्रकार वार्ता में मातबर सिंह नेगी ने कहा कि मनीषा भट्ट द्वारा किन परिस्थितयों के चलते आत्महत्या की गई है। इसकी विस्तृत जांच होनी चाहिए। कहा कि षडयंत्र के तहत संस्थान में शैक्षणिक माहौल को खराब करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई कर दंडित किया जाए।

# बच्चों को बाजार का नहीं घर का बना खिलाएं ये जेली

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 07 जून : आम का सीजन चल रहा है. अधिकतर बच्चों का ये पसंदीदा फल होता है. कुछ बच्चे तो आम बड़े चाव से खाना पसंद करते हैं. उन्हें आम से बनी हर चीज चाहे मैंगो शेक हो, जूस हो या फिर मैंगो फ्लेवर वाली आइसक्रीम हो, कभी भी खिला दो, खाने से मना नहीं करेंगे. मार्केट में आम की ढेरों चीजें मिलती हैं, इसमें आम पापड़, आम की जेली भी बच्चे खरीद कर खाते हैं. हालांकि, आप घर पर भी अपने बच्चों के लिए मैंगो जेली बना सकते हैं. ये हेल्दी भी होंगे और टेस्टी भी. कच्चे आम से कई तरह की रेसिपी बनती है, जिसमें से एक है आम की जेली (Mango Jelly). आइए जानते हैं दो झटपट तरीके से आम की जेली बनाने की विधि के बारे में यहां.

आम की जेली बनाने के लिए सामग्रीकच्चा आम- 4 से 5चीनी- 2 से 3 बड़े चम्मचफूड कलर- 1 बड़ा चम्मचना-रियल- आधा कपतेल- आवश्यकतानुसा-रकाला नमक- स्वादानुसार

सबसे पहले कच्चे आम लें, उसके छिलके उतार कर इन्हें कद्दूकस कर लें. एक बार इन्हें पानी से साफ कर लें और एक बाउल में अलग रख दें. अब इसमें आप स्वादानुसार काला नमक और खाने वाला रंग मिलाएं. आप अपनी पसंद के अनुसार कलर ले सकते हैं. बच्चों का पसंदीदा रंग भी इसके लिए यूज कर सकते हैं. अब इसे अच्छी तरह से मिक्स करके धूप में कम से कम आधे घंटे के लिए रख दें. गैस पर एक पैन रखें. उसमें थोड़ा सा तेल डालें और अच्छी तरह से गर्म करें. इसमें कद्दूकस किया हुआ आम डालकर अच्छी तरह से चलाते हुए पकाएं. 5 से 10 मिनट भुन जाए तो इसमें कद्दूकस किया हुआ नारियल डाल दें. एक मिनट चलाएं और फिर इसमें चीनी डाल दें.

इसे लगातार चलाते रहें. चीनी पिघल जाए तो गैस बंद कर दें. इसे एक कटोरे में डालकर सेट होने के लिए छोड़ दें. जब हल्का गुनगुना हो जाए तो इसे फ्रिज में रख दें. स्वादिष्ट और खट्टी-मीठी मैंगो जेली बनकर तैयार है. इसे बच्चों को कभी भी ठंडा खाने के लिए दे सकते हैं.आप आम की जेली एक दूसरी विधि से भी बना सकते हैं. इसके लिए आपको चाहिए 1 बड़ा चम्मच अगर अगर पाउडर, पके हुए आम का एक कप रस, एक चौथाई कप चीनी, आधा कप पानी, आधा चम्मच नींबू का रस. सबसे पहले आप पके हुए आम से एक कप रस निकाल लें. पैन को गैस पर रखकर पानी उबालें. उसमें अगर अगर पाउडर, चीनी डालकर मिक्स करें. उबल जाए तो गैस से पैन उतार दें. अब इसमें आम का रस डालकर चलाएं. साथ ही नींबू का रस भी डाल दें. इसमें आप फूड कलर भी डाल सकते हैं. इसे किसी बाउल या मोल्ड में डालकर फ्रिज में ठंडा और सेट होने के लिए रख दें. एक घंटे बाद मैंगो जेली खाने का लुत्फ उठाएं.

# केदारनाथ : टिकट बुकिंग के नाम पर दिल्ली के यात्रियों से 51 हजार की ठगी, ऐसे बन रहे लोग शिकार

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

उत्तराखंड 07 जून : केदारनाथ यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर टिकट बुकिंग के नाम पर दिल्ली के यात्रियों से 51 हजार रुपये की ठगी हुई है। पुलिस ने पीड़ित की ईमेल से मिली शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस यात्रा सीजन में हेलिकॉप्टर टिकट के लिए ठगी की यह तीसरी घटना है। नई दिल्ली से मुकेश कौशिक अपने तीन मित्रों के साथ बीते 28 मई को केदारनाथ के लिए गुप्तकाशी पहुंचे थे। यहां उन्होंने हेलीकॉप्टर टिकट के लिए ऑनलाइन खोजबीन की, तो एक मोबाइल नंबर मिला।

उन्होंने संबंधित नंबर पर बातचीत की तो दूसरी तरफ से एक व्यक्ति द्वारा उन्हें 24 हजार रुपये प्रति टिकट के हिसाब से टिकट उपलब्ध कराने की बात कही गई। चारों यात्री तैयार हो गए और मोबाइल से ही दिए गए खाता नंबर पर ऑनलाइन 96 हजार रुपये जमा कर दिए। उन्हें 29 मई को टिकट उपलब्ध होने की बात कही गई। लेकिन पैसे भी वापस नहीं किए। चौथे टिकट को लेकर हेली कंपनी कार्यालय द्वारा किसी प्रकार की बातचीत या फोन आने की बात से साफ इनकार किया गया। यात्रियों ने संबंधित मोबाइल पर फिर फोन किया तो टिकट के लिए तत्काल 27 हजार रुपये ऑनलाइन जमा करने को कहा गया। यात्रियों ने पैसा जमा कर दिया लेकिन टिकट नहीं मिल पाया। बीते दिन मुकेश कौशिक ने ईमेल के जरिए रुद्रप्रयाग पुलिस हेलिकॉप्टर टिकट की ठगी की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की। इस पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया है। पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे ने बताया कि यात्रियों से सिर्फ उत्तराखंड सरकार द्वारा अधिकृत वेबसाइट से ही केदारनाथ के लिए टिकट बुक करें।

# सीयूईटी परीक्षा के केंद्र बरेली, मेरठ आवंटित किए जाने पर भडक़े छात्र

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि में पीजी कक्षाओं में प्रवेश लेने के लिए एनटीए द्वारा कराई जा रही सीयूईटी प्रवेश परीक्षा के केंद्र राज्य से बाहर बरेली, मेरठ, मुरादाबा आदि शहरों में आवंटित किए जाने पर छात्रों में गहरा आक्रोश है। विरोध स्वरूप मंगलवार को जय हो एवं डीएसओ छात्र संगठन की ओर से धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जय हो संगठन से जुड़े छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के विरोध में जमकर नारेबाजी की। कहा यदि जल्द ही श्रीनगर में परीक्षा केंद्र नहीं बनाया गया और छात्रों द्वारा भरे गए परीक्षा केंद्र आवंटित नहीं किए गए तो उन्हें उग्र आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा।

विवि प्रशासनिक भवन परिसर में धरना प्रदर्शन के दौरान जय हो संगठन के सुधांशु थपलियाल व डीएसओ के मुकेश सेमवाल ने कहा कि बीएड प्रवेश परीक्षा व पीजी के कई छात्रों का प्रवेश परीक्षा केंद्र राज्य से बाहर बरेली, मेरठ, मुरादाबाद आवंटित किए गए हैं। जबकि यहां के छात्रों ने पौड़ी, देहरादून परीक्षा केंद्र भरे थे। कहा छात्रों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में विवि प्रशासन से छात्रों की समस्या का समाधान करने की कई बाद गुहार लगाई गई, बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है।

मौके पर पहुंचे विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एमएस नेगी व सीयूईटी परीक्षा के नोडल अधिकारी प्रो. अनिल कुमार नौटियाल ने परीक्षा करा रही एजेंसी एनटीए के अधिकारियों से वार्ता कर छात्रों की समस्या बताई व इसका समाधान करने को कहा।

प्रो. नेगी ने बताया कि इस मामले में एनटीए की ओर से विवि को भेजे गए पत्र में समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया है। कहा चौरास परिसर व एनआईटी श्रीनगर में भी परीक्षा संपन्न कराए जाने का प्रस्ताव है। मौके पर जय हो संगठन के सुधांशु थपलियाल, दीपक जोशी, मयंक बिष्ट, सौरभ रावत, पुनीत, पीयूष रावत, राहुल ममगाई, कौशल, वीरेंद्र बिष्ट, राजमोहन आदि मौजूद रहे।

## बाहरी लोगों का सत्यापन करे प्रशासन

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर भाजपा मंडल ने नजीमाबाद सहित अन्य स्थानों से ट्रकों में रात्रि के वक्त गढ़वाल क्षेत्र में आने वाले बाहरी लोगों का सत्यापन कराए जाने की मांग की है। इस संदर्भ में उन्हें एसडीएम के माध्यम से डीएम पौड़ी को ज्ञापन भेजा है। कहा कि बाहरी लोग हर दिन सब्जियों व अन्य सामानों के ट्रकों में बैठकर यहां पहुंचते है। कहा ऐसे लोगों का जल्द प्रशासन को सत्यापन कराना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से यह भी मांग उठाई की, जो लोग बाहर से यहां लोगों को ला रहे हैं, उनकी भी जांच पड़ताल की जाए।

भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र धिरवाण ने कहा कि गढ़वाल क्षेत्र में आये दिन बाहरी व्यक्तियों द्वारा कई प्रकार के कृत एवं घटनाएं की जा रही है, इसको देखते हुए जल्द बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पौड़ी जिला मुख्यालय और श्रीनगर से होकर ही अत्यधिक लोग पहुंच रहे है। जो बिना सत्यापन कराये यहां पहुंच रहे हैं। उन्होंने कोतवाली निरीक्षक को भी ज्ञापन देकर तेज रफ्तार से चलने वाले मोटरसाइकिल चालकों एवं नशे के बढ़ते चलन पर रोक लगाने की मांग की। कहा कि शहर में तेज रफ्तार एवं बाइकों पर तरह तरह की आवाज वाले स्पीकर लगाकर युवा चल रहे है, जो ध्वनि प्रदूषण बढ़ा रहे हैं साथ ही तेज रफ्तार चलने से राहगीरों को चोटिल कर रहे हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### रिखणीखाल में सक्रिय बाघ को लेकर अलर्ट रहे अफसर:सीसीएफ

पौड़ी। पौड़ी जिले के रिखणीखाल में सक्रिय बाघ को लेकर मुख्य वन संरक्षक गढ़वाल ने अफसरों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए है। बाघ ने एक के बाद एक हमलों में दो लोगों को मार दिया था। इसके करीब एक महीने बाद बाघ एक बार फिर यहां सक्रिय हो गया। मंगलवार को पौड़ी पहुंचे मुख्य वन सरंक्षक गढ़वाल नरेश कुमार ने अफसरों के साथ बैठक की। बैठक के बाद सीसीएफ ने बताया कि जंगलों की आग, पौधरोपण, रिखणीखाल क्षेत्र में सक्रिय बाघ से लेकर कैंपा और ईको टूरिज्म आदि योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई है। रिखणीखाल में सक्रिय बाघ को लेकर डीएफओ गढ़वाल को क्षेत्र में चौबीस घंटे टीम को तैनात रखने को कहा गया है। बताया कि जरूरत पड़ी तो यहां अतिरिक्त स्टाफ की भी तैनाती की जाएगी। बताया कि बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए यहां ट्रैपिंग कैमरे लगाएं गए है, टीम भी यहां तैनात है। अफसरों को वन्य जीवों के हमले वाले संवेदनशील क्षेत्रों को लेकर पूरी सतर्कता बरतने को कहा गया। उन्होंने कहा कि इन दिनों बारिश के कारण अभी जंगलों की आग काबू में है लेकिन फायर सीजन को देखते हुए किसी तरह की लापरवाही न की जाए और अलर्ट मोड पर ही रहा जाए। इसके साथ ही कैंपा का एक्शन प्लान भी बनाया गया। आने वाले सीजन में पौधरोपण को लेकर लक्ष्यों का निर्धारण भी समय से करने के लिए कहा गया। इस मौके पर वन संरक्षक गढ़वाल सर्किल पंकज कुमार, डीएफओ गढ़वाल स्वपनिल अनिरुद्ध सहित अन्य कार्मिक भी मौजूद रहे।

### पौड़ी में 15 केंद्रों पर होगी वन दरोगा भर्ती परीक्षा

पौड़ी। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग कर 11 जून को अयोजित होने वालर वन दरोगा भर्ती परीक्षा की तैयारियों को लेकर डीएम पौड़ी डॉ अशीष चौहान ने संबंधित अफसरों के साथ बैठक की। इस परीक्षा के लिए पौड़ी जिले में 15 परीक्षा केंद्र बनाएं गए है, इनमें 4194 परीक्षार्थी शमिल होंगे। मंगलवार को आयोजित इस बैठक में परीक्षा को संपनन्न कराने के लिए आयोग के जो भी दिशा-निर्देश दिए गए हैं, उनका अक्षरशः पालन करने के निर्देश संबंधित अफसरों को डीएम ने दिए। परीक्षा केंद्रों के आस-पास 100 मीटर की परिधि में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अफसरों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि वन दरोगा की परीक्षा के लिए पौड़ी में 6 जबकि श्रीनगर में 9 केंद्र बनाएं गए है। बैठक में एसडीएम पौड़ी मुक्ता मिश्र, मुख्य शिक्षाधिकारी डॉ आनन्द भारद्वाज, मुख्य कोषाधिकारी गिरीश चंद्र के साथ ही आयोग के सदस्य व पुलिस अफसर भी मौजूद रहे।

### उत्तम सिंह बने प्रबंधक

पौड़ी। इंटर कॉलेज डांगीधार की प्रबंध समिति के चुनावों को मुख्य शिक्षाधिकारी ने अनुमोदन दे दिया। इस मामले में कोर्ट ने विभाग को कॉलेज में चुनाव कराने के आदेश पारित किए थे। प्रबंध समिति के चुनाव इंटर कॉलेज डांगीधार में किए गए। जिसमें उत्तम सिंह नेगी प्रबंधक चुने गए। इसके साथ ही विमल नेगी को अध्यक्ष, मानवेंद्र सिंह उपाध्यक्ष, बृजमोहन तडियाल कोषाध्यक्ष आदि सहित 7 सदस्य भी बनाए गए।

### बेकार चीजों से उपयोगी सामान बनाना सिखाया

पौड़ी। उत्तराखण्ड पुलिस परिवार के कल्याण के लिए बनाए गए उत्तराखण्ड पुलिस वाइफ वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस परिवार की महिलाओं व बच्चों को घर पर पड़े बेकार माचिस की तिलियों, छोटे-छोटे पत्थर, पॉलिथीन, लकडियां आदि से पर्यावरण संरक्षण हस्तशिल्प और बेकार पड़े सामान से उपयोगी चीजें बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान महिला उपनिरीक्षक टीना रावत, शिक्षक पंकज सुंद्रियाल ने महिलाओं व बच्चों को घर पर पड़े बेकार माचिस की तिलियों, छोटे-छोटे पत्थर, पॉलीथिन, लकडियों आदि से हस्तशिल्प और बेकार पड़े सामान से उपयोगी चीजें बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान पुलिस परिवार की महिलाओं व बच्चों ने माचिस की तिल्लियों से कलाकृतियां बनाकर कला का प्रदर्शन किया गया। जिसमें मुख्य रुप से केदारनाथ मन्दिर, चर्च, ताजमहल आदि बनाने की जानकारी महिलाओं को दी गई। यह कला उत्तराखण्ड़ की प्राचीन काष्ठकला को जीवित करने में सहायक होगी।

### वेस्ट मैनेजमेंट रूल को लेकर किया जागरूक

श्रीनगर गढ़वाल। विधिक सेवा समिति श्रीनगर ने न्यायालय सिविल जज श्रीनगर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें तहसील विधिक सेवा समिति श्रीनगर के अध्यक्ष एवं सिविल जज रजनीश मोहन ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी। साथ ही न्यायालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर श्रीनगर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेश चन्द्र जोशी, संरक्षक अनूप श्री पांथरी, कोषाध्यक्ष सुबोध भट्ट, बलवीर सिंह रौतेला, प्रदीप मैठाणी, विकास पंत, विकास कठैत, ज्योतिष घिल्डियाल, हिरदेश कुमारी, नीती, अंजुला सोहन सिह, गौरव कुमार आदि मौजूद रहे।

# देहरादून : मैक्स अस्पताल में 'विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस' पर लोगों को किया जागरूक

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून 07 जून : ब्रेन ट्यूमर तेजी से युवा और यूटे समान रूप से प्रभावित कर रहे हैं। ये घातक और सौम्य हो सकते हैं। मैक्स अस्पताल की मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइंसेज, देहरादून (MIND) के विशेषज्ञों ने विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस पर जागरूकता पैदा करने के लिए मीडिया को संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. (ब्रिगेडियर) एच.सी. पाठक, वीएसएम, डायरेक्टर न्यूरोसर्जरी, MIND, डॉ. आनंद मोहन ठाकुर, प्रिंसिपल कंसल्टेंट न्यूरोसर्जरी, MIND, और डॉ संदीप सिंह तंवर, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट- ऑपरेशंस एंड यूनिट हेड मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल देहरादून उपस्थित रहे।

मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. (ब्रिगेडियर) एच.सी. पाठक वीएसएम, डायरेक्टर- न्यूरोसर्जरी, (MIND), मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल देहरादून ने कहा, ₹हमारे शरीर के सभी महत्वपूर्ण कार्य जैसे खाने, बोलने तथा चलने आदि और हमारी सभी भावनाएं, प्यार से नफरत तक. मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी और तंत्रिकाओं द्वारा नियंत्रित होती हैं जो घनिष्ठ रूप से जुड़ी होती हैं। खोपड़ी के अंदर ऊतकों की असामान्य वृद्धि से ₹ट्यूमर₹ का निर्माण होता है जो कि सामान्य ऊतकों को नष्ट

करने और उन पर दबाव का कारण बनता है।₹ लगातार सिरदर्द सहित लक्षणों की शुरुआती पहचान फायदेमंद हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि इससे इलाज के नतीजे और मरीजों की रिकवरी में काफी सुधार होता है।

आगे बताते हुए, डॉ. ए. एम. ठाकुर, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, न्यूरोसर्जरी, MIND ने कहा, ₹ये ट्यूम घातक (कैंसर) या सौम्य (गैर-घातक) हो सकते हैं। घातक ब्रेन ट्यूमर, ज्यादातर ब्रेन मैटर (आंतरिक) से उत्पन्न होते हैं और इसे केवल समय की परिवर्तनशील अवधि के लिए नियंत्रित किया जा सकता है जिसके लिए उपलब्ध उपचारों के विभिन्न तौर-तरीकों (सर्जरी के बाद रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी) का उपयोग करके नियंत्रित किया जाता है। दूसरी ओर, सौम्य ट्यूमर, ज्यादातर मस्तिष्क (बाहरी) के आसपास की संरचनाओं से उत्पन्न होते हैं।

संदीप सिंह यूनिट हेड सुपर हॉस्पिटल देहरादून हसाका अवसर, जनतेसम किया जाता है कि मरीज को यह पता लगाने में मदद के शरीर के अन्य अंग काम कर रहे है या मरीज बोलने में समर्थ है। MIND में. हम रोगी की सुरक्षा की अधिकतम करने और यथासंभव कुल निष्कासन सुनिश्चित करने के लिए सीन तरीकों, न्यूरोनेविगेशन इंट्राऑपरेटिव इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी और जागृत फैनियोटोंगी का उपयोग उपचार करने के लिए करते हैं। उन्होंने यह भी बताया, मैक्स देहरादून पूरे उत्तराखंड और पश्चिमी यूपी में एकमात्र अस्पताल है जिसमे इन उन्नत तकनीकों के साथ-साथ समर्पित न्यूरो- एनेस्थेटिस्ट की एक टीम और एक समर्पित 8 बेड न्यूरो आईसीयू है।

## संपादकीय

### पहलवानों का संघर्ष थमा नहीं

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ बीती 3 जून की रात्रि 11 बजे मुलाकात और चर्चा के बाद आंदोलनकारी पहलवान रेल मंत्रालय में अपनी-अपनी ड्यूटी पर लौट आए। आम निष्कर्ष यह निकाला गया कि पहलवानों ने आंदोलन समाप्त कर दिया। शायद गृहमंत्री के स्तर पर कोई दबाव दिया गया होगा! यह भी हो सकता है कि गृहमंत्री ने देश के पदकवीर पहलवानों को कोई आश्वासन दिया हो और उसके सम्मान के लिए पहलवान अपनी नौकरी पर लौट गए! कई अटकलें और अफवाहें भी तैर रही हैं। उनमें से कुछ तो बड़े अंग्रेजी अखबारों में भी छपी हैं। जिज्ञासा हुई, तो सवाल भी कौंधने लगे कि भारतीय कुश्ती संघ में यौन-शोषण, उत्पीडन और भद्दे-धमकी भरे व्यवहार सरीखे मुद्दों का क्या होगा? क्या महिला पहलवानों को निर्णायक इंसाफ नहीं मिलेगा? क्या पुलिसिया जांच इसी तरह खिंचती और टलती रहेगी, क्योंकि यौन-सीमाएं लांघने के गंभीर आरोप कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर लगे हैं। क्या हिन्दी फिल्मों के खलनायक की तरह बृजभूषण का भी सामाजिक व्यवहार होगा और उसकी मुस्कान भी व्यंग्यमयी होती जाएगी? कुश्ती संघ के भीतर नाबालिग, बालिग और पदकवीर महिला पहलवानों का किस तरह यौन-शोषण, उत्पीडन और शारीरिक संबंध बनाने की जो हरकतें एक बड़े अंग्रेजी अखबार में, प्राथमिकी के आधार पर, पृष्ठ एक पर छपती रही हैं और टीवी चैनलों पर खुली बहस होती रही है, क्या उसे असत्य और फर्जी करार दे दिया जाएगा? बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक भारत के पदकवीर, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रहे हैं। बजरंग ने ट्वीट कर स्पष्ट किया है कि हम न पीछे हटे हैं और न ही हटेंगे। मैडल की कीमत आंकने वाले हमारी नौकरी के पीछे पड़े हैं। यदि जिंदगी दांव पर लगी है, तो उसके सामने नौकरी बहुत छोटी चीज है। हम नौकरी को भी छोड़ सकते हैं। आंदोलन वापस लेने की खबर झूठी अफवाह है। आखिरी इंसाफ तक हम संघर्ष करते रहेंगे। कुछ और फर्जी खबरों का निराकरण भी हुआ है। मसलन-न्यायाधीश के सामने धारा 164 के तहत दोबारा और नया बयान दर्ज नहीं कराया जा सकता। यौन-शोषण संबंधी पुलिस में दर्ज प्राथमिकी को खारिज नहीं किया गया है। जो शिकायतकर्ता नाबालिग पहलवान थी, उसके पिता ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने अपनी शिकायत और बयान वापस नहीं लिए हैं। यौन-शोषण और पदक जीतने के वक्त पहलवान नाबालिग थी और आज भी नाबालिग ही है, लिहाजा पॉक्सो कानून के तहत ही केस चलाया जाएगा।

**दैनिक न्यूज़ वायरस**
**संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

# जड़ी-बूटी के उत्पादन से उत्तराखंड में रोजगार की बढ़ेंगी संभावनाएं, मुख्य सचिव

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने प्रदेश में जड़ी-बूटी के क्षेत्र में उत्पादन और रोजगार की असीम सम्भावनाओं को देखते हुए इसके विकास के लिए कार्ययोजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने सचिवालय में कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में जड़ी-बूटी का उत्पादन और मांग को देखते हुए कार्ययोजना तैयार की जाए।मुख्य सचिव ने कहा कि कृषि, उद्यान एवं वन विभाग अपने अपने क्षेत्रों में ऐसी जड़ी-बूटियों को चिन्हित करें जिनकी बाजार में अत्यधिक मांग हैं और उनके उत्पादन और संग्रहण में किसी प्रकार का कोई प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि विभागों को इस के लिए अपनी अपनी भूमिका भी तय करनी होगी।उत्पादन, संग्रहण और बाजार उपलब्ध कराए जाने हेतु प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया जाएगा। राज्य स्तर पर भी मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति का गठन होगा। जो जनपद इस दिशा में अच्छा कार्य करेंगे, रैंकिंग कर सम्मानित किया जाएगा।

# उत्तरकाशी जिले में 'अपणू स्कूल-अपणू प्रमाण पत्र' योजना का जिलाधिकारी ने किया शुभारम्भ

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

उत्तरकाशी जिले में 'अपणू स्कूल-अपणू प्रमाण पत्र' योजना के तहत छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित करने की शुरूआत हो गई है। जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला ने प्रमाणपत्र वितरण का शुभारंभ करते हुए छात्रों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है। जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में शामिल इस अभिनव योजना का लाभ सभी पात्र छात्रों को मिले इसके लिए जिले में प्रभावी कदम उठाए गए हैं और अधिकारियों को तय समय सीमा में प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।जिला मुख्यालय स्थित राजकीय बालिका इंटर कालेज में आयोजित कार्यक्रम में 'अपणू स्कूल-अपणू प्रमाण पत्र' योजना के तहत विभिन्न विद्यालयों के 11वीं एवं 12वीं कक्षा के छात्रों को स्थाई निवास, पर्वतीय क्षेत्र, जाति तथा आय प्रमाण पत्र वितरित करते हुए जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला ने कहा कि इस योजना से छात्रों को उनकी भविष्य की आवश्यकता को देखते हुए विद्यालय स्तर पर ही प्रमाण पत्र तैयार करने की महत्वपूर्ण योजना राज्य सरकार द्वारा

प्रारंभ की गई है। इस योजना में आवेदन करने वाले पात्र छात्रों को 15 दिनों के भीतर स्थाई निवास, पर्वतीय क्षेत्र, जाति तथा आय का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इससे छात्रों को विभिन्न प्रकार के रोजगार एवं सेवायोजन हेतु आवेदन करने और उच्च शिक्षा हेतु प्रवेश आदि के लिए जरूरी इन प्रमाण पत्रों को हासिल करने के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। योजना के तहत 10वीं के छात्रों के आवेदन पत्र भी लिए जा रहे हैं।जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में अभियान संचालित कर कक्षा 12 में पंजीकृत 3663 छात्रों में से 1530 छात्रो के द्वारा इस योजना के तहत विभिन्न प्रमाणपत्रों हेतु आवेदन किया गया है जिनमें से 630 प्रमाणपत्र निर्गत किए जा चुके हैं। तय समय के भीतर बाकी प्रमाणपत्र भी निर्गत कर दिए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने इस योजना को अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किए जाने की अपील करते हुए छात्रों से अपने प्रमाणपत्रों को डिजीलॉकर में सुरक्षित रखने की अपेक्षा की। जिलाधिकारी ने छात्रों से उनकी समस्याओं के बावत भी जानकारी ली और उन्हें डिजीलॉकर में प्रमाणपत्रों को संरक्षित रखने की तरीका भी बताया।

# फिर एक्शन मोड में स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार, नैनीताल जिला अस्पताल में अव्यवस्थाओं पर लगाई अधिकारियों को फटकार

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

नैनीताल। ट्रेनिंग से वापस आते हैं एक बार फिर पहले की तरह स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार पूरी तरह एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। विगत एक माह से स्वास्थ्य सचिव मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षणरथ थे। प्रशिक्षण खत्म होने के बाद ज्वाइन करते ही स्वास्थ्य सचिव ने ग्राउंड जीरो पर बवस्थाओं को परखना शुरु कर दिया है। बिना समय गवाएं स्वास्थ्य सचिव कुमाऊ दौरे पर निकल गये। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने नैनीताल जनपद के जिला अस्पताल बीडी पांडे का निरीक्षण किया। अस्पताल पहुँचने पर पीएमएस डॉ. एलएमएस रावत व अस्पताल स्टाफ ने उनका पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

मंगलवार को उत्तराखंड स्वास्थ्य सचिव डॉ.राजेश कुमार ने जिला अस्पताल बीडी पांडे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सर्जिकल वार्ड ,जिरियाट्रिक वार्ड, ऑर्थो वार्ड, आइसीईयू , चिल्ड्रन वार्ड समेत अन्य वार्डो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान साफ़ सफाई को लेकर नाराजगी व्यक्त की, स्वास्थ्य सचिव ने अस्पताल में सीएमओ को सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, साथ ही वार्डो के बेडों व बेडशीट्स को बदलने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सचिव डॉ.आर राजेश कुमार ने निर्देश देते हुए कहा आपातकालीन केस आने पर डॉक्टर उपस्थित रहे।इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों का हाल भी जाना और मरीजों से अस्पताल की व्यवस्थाओं व सुविधाओं को लेकर जानकारी प्राप्त की जिस पर उन्हें कोई शिकायत नही मिली। वही पीएमएस से डॉक्टरों की जानकारी ली गई लेकिन पीएमएस को डॉक्टरों की जानकारी न होने पर भी स्वास्थ्य सचिव ने नाराजगी व्यक्त की। इसके अलावा उन्होंने अस्पताल में खराब स्वास्थ्य उपकरण हटाकर नए उपकरण लाने के निर्देश दिए, साथ ही उन्होंने हेल्थ एटीएम को जल्द शुरू करने के भी निर्देश दिए ,ताकि अस्पताल आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधा मिल सकें। साथ ही स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि यदि अस्पताल आने वाले मरीजों द्वारा कोई शिकायत मिली या मरीजों के साथ लापरवाही की हुई बर्दाश्त नही की जाएगी। वही स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि राज्य के अस्पतालों में नर्सों की कमी को पूरा किया जाएगा, जल्द ही एक हजार से अधिक नर्सों की नियुक्ति की जाएगी। इस दौरान डायरेक्टर तारा आर्य, सीएमओ भागीरथी जोशी, पीएमएस डॉ.एलए-मएस रावत, डॉ.अनिरुद्ध गंगोला, डॉ.एमएस रावत, वार्डन शशिकला पांडे, कुंदन बिष्ट समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

# इंडियन रेलवेज़ में कितने प्रकार के होते हैं कोच, जानें किस कोच में मिलती है क्या सुविधा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

इंडियन रेलवेज़ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। इसमें प्रतिदिन करोड़ों लोग सफर करते हैं। देश में लंबी दूरी की यात्रा करने के लिए भारतीय रेलवे लोगों की पहली पसंद हैं। यात्रियों की सुविधा के अनुसार ट्रेन में विभिन्न प्रकार के कोच होते हैं। इनका किराया भी इनमें मिलने वाले सुविधाओं के अनुसार अलग अलग होता हैं।

इंडियन रेलवेज़ के ट्रेनों में होते हैं अलग अलग प्रकार के कोच ट्रेन के डिब्बों के बाहर डिब्बों की श्रेणी लिखी होती हैं। जिससे यात्री इन डिब्बों की पहचान करते हैं। ट्रेनों में जनरल, 2S या CC, स्लीपर क्लास, एक्जीक्यूटिव चेयर क्लास, 3rd AC, 2nd AC और 1st AC के डिब्बे होते हैं। इनमें मिलने वाले सुविधाओं के अनुसार इनके किराए अलग अलग होते हैं।

**जनरल कोच**

अनरिजर्व या जनरल कोच में यात्रा करने के लिए पहले से एडवांस टिकट बुक नहीं करना पड़ता है। इस कोच में केवल बैठने की व्यवस्था होती हैं। इस श्रेणी के टिकट का किराया सबसे कम होता हैं।

**2S या CC क्लास**

इस कोच को चेयर क्लास भी कहा जाता हैं। इस कोच में भी केवल बैठने की व्यवस्था होती हैं। लेकिन इस कोच में यात्रा करने के लिए एडवांस रिजर्वेशन टिकट बुक करना पड़ता हैं। इस कोच में यात्रा करना जनरल कोच से अधिक सुविधाजनक होता हैं।

**एक्जीक्यूटिव चेयर क्लास**

इस कोच में भी केवल बैठने की व्यवस्था होती हैं। इस कोच में और चेयर क्लास में थोड़ा अंतर है। इस कोच में AC की व्यवस्था होती हैं। इसके साथ साथ इस कोच में यात्री के लिए भोजन की व्यवस्था होती हैं।

**स्लीपर क्लास**

Indian Railways के इस कोच में बैठने के साथ साथ सोने की सुविधा भी होती हैं। इस कोच के टिकट का किराया चेयर क्लास से ज्यादा और AC कोच से कम होता हैं। इसमें यात्रा करने के लिए यात्री को एडवांस रिजर्वेशन टिकट बुक करना पड़ता हैं।

**3rd AC**

इस कोच में AC की सुविधा होती हैं। इस कोच में बैठने के साथ साथ सोने की सुविधा भी होती हैं। इस कोच में तकिए, चादर की भी सुविधा मिलती हैं। इसमें यात्रा करने के लिए यात्री को एडवांस रिजर्वेशन टिकट बुक करना पड़ता हैं।

**2nd AC**

इस कोच में भी AC की सुविधा होती हैं। इस कोच में बैठने के साथ साथ सोने की सुविधा भी होती हैं। इस कोच में भी 3rd AC की तरह तकिए, चादर की भी सुविधा मिलती हैं। इस कोच में पर्दे लगे होते हैं। इसमें यात्रा करने के लिए यात्री को एडवांस रिजर्वेशन टिकट बुक करना पड़ता हैं।

**फर्स्ट क्लास**

इंडियन रेलवेज़ में इस कोच में सबसे ज्यादा सुविधाएं मिलती हैं। इस कोच में यात्रा करने का किराया सबसे ज्यादा होता हैं। इस कोच में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे की ओर से कर्मचारी नियुक्त होते हैं।

# एयरटेल बिजनेस ने भारत सरकार के एड-टेक प्लेटफॉर्म- दीक्षा को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के साथ साझेदारी की

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून। भारती एयरटेल ("एयरटेल") ने आज घोषणा की है कि उसे डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (डीआईसी) द्वारा भारत के ओपन एजुकेशनल डिजिटल कंटेंट के नेशनल प्लेटफार्म दीक्षा (डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग) को क्लाउड और सीडीएन सेवाएं प्रदान करने के लिए चुना गया है। डीआईसी भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वाधान में कार्य करता है।

एयरटेल को दीक्षा के ऑनलाइन प्लेटफार्म, मोबाइल ऐप और वेबसाइट दोनो को पूरी तरह से प्रबंधित करने की जिम्मेदारी दी गई है। एयरटेल इस कार्य के लिए दीक्षा का विश्वसनीय भागीदार बन गया है। दीक्षा एप्लिकेशन और वेबसाइट अब एयरटेल क्लाउड द्वारा संचालित होगी और देश भर के छात्रों को उनकी पसंदीदा भारतीय भाषा में मुफ्त शैक्षिक सामग्री के लिए सहज रूप से सुलभ होगी।

विशेष रूप से दूर-दराज के स्थानों पर रहने वाले छात्र आसानी से प्लेटफॉर्म पर नामांकन कर सकेंगे। एयरटेल क्लाउड दीक्षा को ऑरेकल क्लाउड में माइग्रेट कर अपनी प्रबंधित सेवाएं और सीडीएन सॉल्यूशन प्रदान करेगा। प्रवीण अग्रवाल, हेड- गवर्नमेंट बिजनेस, एयरटेल बिजनेस, ने कहा, "दीक्षा, दुनिया के सबसे बड़े मुफ्त शिक्षा प्लेटफॉर्म्स में से एक है, जो 35 से अधिक भारतीय भाषाओं में 9,300 से अधिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

इस पर 50 बिलियन से अधिक लर्निंग सेशंस और छात्रों द्वारा 60 बिलियन मिनट्स का उपयोग रजिस्टर किया गया है। हम इस महत्वपूर्ण शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने और अपनी अत्याधुनिक क्लाउड और सीडीएन सेवाओं के साथ देश भर के लाखों बच्चों तक इसकी पहुंच को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं।" एय-रटेल क्लाउड एयरटेल की बी2बी शाखा - एयरटेल बिजनेस - का एक हिस्सा है और उद्यमों, सरकारों, वाहकों और छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए पेशकशों के विविध पोर्टफोलियो के साथ आईसीटी सर्विसेज का भारत का अग्रणी और सबसे भरोसेमंद सर्विस प्रोवाइडर है। एयरटेल क्लाउड उद्यमों को सुविधाजनक हाइब्रिड क्लाउड स्ट्रेटजी के लिए वन-स्टॉप-डे-स्टिनेशन के रूप में निजी, सार्वजनिक और एज जैसी विभिन्न प्रकार के क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग करता है। क्लाउड सॉल्यूशंस के अलावा कनेक्टिविटी, डेटा सेंटर और सुरक्षा से युक्त एक सर्व-समावेशी पोर्टफोलियो के साथ, एयरटेल क्लाउड उद्यमों को अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा को तेज करने और अनुकूलित करने में सक्षम बनाता है। अधिक जानकारी के लिए, https://www.airtel.in/busi-ness/b2b/airtel-cloud पर लॉग ऑन करें। शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2017 में शुरू किए गए डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन का उद्देश्य लोगों को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के लाभों तक पहुंच प्रदान करके उनके जीवनस्तर में सुधार करना है।

दीक्षा का उद्देश्य देश भर के सभी शिक्षकों और शिक्षार्थियों को मुफ्त में ई-पाठ्यपुस्तकों और ऑडियोबुक के रूप में उच्च गुणव-त्तापूर्ण वाला कॉन्टेंट प्रदान करना है। यह प्लेटफार्म 5700 करोड़ मिनट से अधिक सीखने का समय प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, इस पप्लेटफार्म पर 7200 से अधिक पाठ्यक्रमों में 82% नामांकन और पाठ्यक्रम पूरा करने की दर हासिल हुई है। अधिक जानकारी के लिए https://dik-sha.gov.in/ पर जाएं।